CHAPTER 51

SANSKRIT

Doctoral Theses

605. आशीष कुमार

अद्वैतदीपिका में तत्त्वमीमांसा ।

निर्देशिका : प्रो. शकुन्तला पुञ्जानी

Th 20958

विषय सूची

1. स्वामी नृसिंहाश्रम का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2. भारतीय दर्शन में तत्त्वमीमांसाः एक दृष्टि 3. अनुबन्धचतुष्टयविमार्श 4. ब्रह्मविमर्श 5. अज्ञानविमर्श 6. प्रत्यगात्मविमर्श 7. अखण्डार्थ एवं महावाक्यविमर्श। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

606. आशुतोष कुमार

द्वैत वेदान्त सम्मत प्रमाण-मीमांसा।

निर्देशक : डॉ. आशुतोष दयाल माथुर एवं प्रो. एम. एम. अग्रवाल

Th 20964

विषय सूची

1. भूमिका 2. प्रमाण मीमांसा 3. प्रत्यक्ष प्रमाण विमर्श 4. अनुमान प्रमाण विमार्श 5. अनुमान दोष विमर्श 6. आगम प्रमाण विमर्श 7. प्रामाण्याप्रामाण्य विमर्श 8. द्वैत वेदान्त दर्शन का भारतीय प्रमाणशास्त्र को योगदान। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

607. ओझा (अनिरूद्ध)

शब्दार्थमीमांसा के क्षेत्र में भोज का योगदान।

निर्देशक : डॉ. पतञ्जलि कुमार भाटिया

Th 20970

विषय सूची

1. भूमिका 2. प्रातिपदिक एवं प्रातिपदिकार्थ निरूपण 3. आख्यात एवं आख्यातार्थ निरूपण 4. पद एवं पदार्थ निरूपण 5. वाक्य एवं वाक्यार्थ निरूपण 6. वृत्ति एवं वृत्त्यर्थ निरूपण। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

608. कथूरिया (निधि)
बृहत्संहिता में वर्णित ग्रहचार का विवेचनात्मक अध्ययन।
निर्देशक : डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा
Th 20955

विषय सूची

1. आदित्य एवं चन्द्र-चार 2. राहु एवं केतु चार 3. भौम एवं बुध-चार 4. बृहस्पति एवं शुक्रचार 5. शनि, अगस्त्य एवं सप्तर्षि चार। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

609. कान्ता
पंचांग निर्माण : अयनांश की सूक्ष्म रीतियाँ ।
निर्देशिका : डॉ. पुनीता शर्मा
Th 21278

विषय सूची

1. पंचांग निर्माण की पुष्ठभूमि काल सम्प्रत्यय 2. पंचांग प्रकरण 3. अयनांश प्रकरण 4. अयनांश की सूक्ष्म रीतियाँ 5. पंचांग एवं अयनांश विषयक सूक्ष्म रीतियों की समीक्षा। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

610. कौशिक (अर्चना)
कैंसर रोग तथा विविध अवस्थाओं में उसके निदान का योग और आयुः प्रमुख फलित ग्रन्थों के संदर्भ में।
निर्देशक : प्रो. गिरीशचन्द पन्त
Th 20966

विषय सूची

1. रोग निदान में ज्योतिष की उपयोगिता 2. रोगों के प्रकार 3. असाध्य रोगों में कैंसर रोग 4. कतिपय कैंसर रोगियों की कुण्डलियों का अध्ययन और उनमें सामान्य बिन्दुओं का अन्वेक्षण 5. कैंसर रोग के निर्धारण में आधुनिक विज्ञान की भूमिका । उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

611. गर्ग (कुमुद रानी)

श्रीभार्गवराघवीयम् महाकाव्य का समीक्षात्मक अध्ययन।

निर्देशिका : प्रो. शकुन्तला पुञ्जानी

Th 20962

विषय सूची

1. रामभद्राचार्य एवं उनका श्रीभार्गवराघवीयम् 2. सर्गबद्ध विषयवस्तु 3. चरित्र-चित्रण 4. काव्यशास्त्रीय घटक तत्त्व 5. समाज-चित्रण। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची। परिशिष्ट।

612. देशराज

चमत्कारचन्द्रिका का साहित्यशास्त्रीय अवदान।

निर्देशिका : प्रो. शारदा शर्मा

Th 20965

विषय सूची

1. विश्वेश्वरकविचन्द्र और उनकी चमत्कारचन्द्रिका 2. चमत्कारचन्द्रिका में चमत्कार सिद्धान्त विवेचन 3. चमत्कारचन्द्रिका में काव्यस्वरूप, काव्यप्रयोजन, काव्यभेद एवं शब्दवृत्ति विवेचन 4. चमत्कारचन्द्रिका में रस विवेचन 5. चमत्कारचन्द्रिका में रीति, वृत्ति, पाक, शय्या एवं अक्षर-रहस्य 6. चमत्कारचन्द्रिका में गुण एवं दोष विवेचन 7. चमत्कारचन्द्रिका में अलंकार विवेचन 8. चमत्कारचन्द्रिका का वैशिष्ट्य और परवर्ती आचार्यो पर प्रभाव। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

613. नरेश कुमार

श्रीसिद्धहेमशब्दानुशासन और अष्टाध्यायी के तद्धितों का तुलनात्मक अध्ययन।

निर्देशक : डॉ. पतञ्जलि कुमार भाटिया

Th 20956

विषय सूची

1. संस्कृत व्याकरण परम्परा में आचार्य हेमचन्द्र और उनका शब्दानुशासन 2. तद्धितों का तुलनात्मक अध्ययन-स्वरूप, सूत्रसंरचना व गणपाठ की दृष्टि से 3. तद्धितों का तुलनात्मक अध्ययन-अर्थ, प्रत्यय व प्रक्रिया की दृष्टि से 4. श्रीसिद्धहेमशब्दानुशासन के तद्धितों पर पाणिनीयेतर व्याकरणों का प्रभाव 5. तद्धितप्रकरण में प्राप्त उदाहरणों के आलोक में समसामयिक देशकाल। निष्कर्ष । परिशिष्ट। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

614. प्रभात (नवि)

कालसमुद्दश एवं न्याय-वैशेषिक में काल का तुलनात्मक अध्ययन ।

निर्देशक : डॉ. श्रीवत्स एवं डॉ. धर्मेन्द्र कुमार

Th 21277

विषय सूची

1. काल का स्वरूप 2. व्याकरण सम्प्रदाय में काल 3. कालसमुद्देश की समीक्षा 4. न्याय-वैशैषिक दर्शन में काल 5. कालसमुद्देश एवं न्याय-वैशैषिक दर्शन में काल की तुलना। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

615. ब्रह्मप्रकाश

भट्टोजिदीक्षित और नागेशभट्ट का कारक एवं विभक्तिचिन्तन का तुलनात्मक अध्ययन।

निर्देशक : प्रो. मिथिलेश चतुर्वेदी

Th 20953

विषय सूची

1. भट्टोजिदीक्षित एवं नागेशभट्ट : व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व 2. कारक एवं विभक्ति

विचार 3. कर्तृकारक एवं उसकी अर्थभिव्यक्ति 4. कर्मकारक एवं उसकी अर्थाभिव्यक्ति 5. करणकारक एवं उसकी अर्थाभिव्यक्ति 6. सम्प्रदानकारक एवं उसकी अर्थाभिव्यक्ति 7. अपादानकारक एवं उसकी अर्थाभिव्यक्ति 8. अधिकरणकारक एवं उसकी अर्थाभिव्यक्ति 9. प्रथमा एवं षष्ठी विभक्ति का विचार 10. उपपदविभिक्त विमर्श। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

616. भारद्वाज (सिद्धिदात्री)

उदयनाचार्य का वैशेषिक दर्शन को योगदान।

निर्देशक : प्रो. रमेश भारद्वाज

Th 20971

विषय सूची

1(क). वैशेषिक दर्शन के मुख्य आचार्य, (ख). वैशेषिक दर्शन के मुख्य ग्रन्थ 2 (क). वैशेषिक दर्शन के प्रतिपाद्य विषय, (ख). प्रतिपाद्य विषय के रहस्योद्घाटन में आचार्य का अवदान 3 (क). लक्षणावली के उपजीव्य ग्रन्थ एवम् आचार्य, (ख). लक्षणान्तर के अनुसरण में अस्वारस्य बीज 4(क). लक्षणावली ग्रन्थ में दर्शनान्तर का प्रभाव, (ख). लक्षणावली में आचाय्र का नवीन उद्भावन 5(क). प्रशस्तपादीय निरूपण निरूपण से किरणावली की सहमति, (ख). प्रशस्तपादीय निरूपण से किरणावली की अतिरिक्त सहमति 6(क). आचार्यकृत ऊह एवं नवीन उद्भावन, (ख). किरणावली द्वारा वैशेषिक सिद्धान्तों का पोषण 7(क). अन्य टीकाओं के साथ किरणावली की तुलनात्मक समीक्षा, (ख). आचार्य की निरूपण-पद्धति का वैशिष्ट्य। उपसंहार। परिशिष्ट।

617. भीमाशंकर

पाणिनीय व्याकरण और वाजसनेयि-प्रातिशाख्य में स्वर-सम्बन्धी नियमों का तुलनात्मक अध्ययन।

निर्देशक : डॉ. सत्यपाल सिंह

Th 20968

विषय सूची

1. पाणिनीय व्याकरण और वाजसनेयि-प्रातिशाख्य में वर्णसमाम्नाय एवं स्वर विषयक

सामान्य तथ्य 2. पाणिनीय व्याकरण और वाजसनेयि-प्रातिशाख्य में उदात्त स्वर 3. पाणिनीय व्याकरण और वाजसनेयि-प्रातिशाख्य में अनुदात्त स्वर 4. पाणिनीय व्याकरण और वाजसनेयि-प्रातिशाख्य में स्वरित स्वर 5. पाणिनीय व्याकरण और वाजसनेयि-प्रातिशाख्य में एकश्रुति स्वर एवं प्रकीर्ण स्वरों का तुलनात्मक अध्ययन। निष्कर्ष। परिशिष्ट। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

618. मीणा (टेकचन्द)

भारतीय काव्यशास्त्रीय परम्परा में रूपगोस्वामी का मौलिक अवदान।

निर्देशिका : प्रो. दीप्ति शर्मा त्रिपाठी

Th 20959

विषय सूची

1. भारतीय काव्यशास्त्रीय परम्परा 2. रूपगोस्वामी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 3. रूपगोस्वामी की दार्शनिक पृष्ठभूमि 4. रूपगोस्वामी का काव्यशास्त्रीय चिन्तन 5. भक्ति रस का मूल्यांकन 6. कविकर्णपूर और मधुसूदन सरस्वती के भक्तिरस विषयक विचार एवं रूपगोस्वामी 7. नव रस एवं परवर्ती नवीन रस 8. उपसंहार एवं निष्कर्ष। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

619. मीणा (ठण्डी लाल)

महालिंग शास्त्री का आधुनिक संस्कृत साहित्य को अवदान।

निर्देशक : डॉ. गिरीश चन्द्र पन्त

Th 20962

विषय सूची

1. महालिंग शास्त्री का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2. महालिंग शास्त्री के दृश्य एवं श्रव्य काव्यों में वस्तु-विवेचन 3. महालिंग शास्त्री के दृश्य काव्यों में पात्र-योजना 4. महालिंग शास्त्री के दृश्य एवं श्रव्य काव्यों में काव्य-सौन्दर्य 5. महालिंग शास्त्री के अनूदित काव्य। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

620. मीणा (सुनीता)

नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थों में उपलब्ध नाट्य तत्त्वों का आधुनिक परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन।

निर्देशक : डॉ. पी. के. पण्डा

Th 20954

विषय सूची

1. नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ एवं प्रतिपाद्य विषय 2. कथावस्तु एवं उनके नियामक तत्त्व 3. पात्र योजना 4. रस भाव एवं नाट्यवृत्तियाँ 5. रंगमंच की आधुनिक दृष्टि 6. अभिनय कला का आधुनिक प्रयोग। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची। परिशिष्ट।

621. मीना (शकुन्तला)

उदयनकृत न्यायपरिशिष्ट में जाति एवं निग्रहस्थान का तार्किक विकास।

निर्देशक : डॉ. सत्यमूर्ति

Th 20951

विषय सूची

1. उदयनाचार्य का जीवन परिचय, काल व रचनाएँ 2. जाति का लक्षण एवं विकास क्रम 3. जाति के भेद 4. निग्रहस्थान का लक्षण व विकास क्रम 5. निग्रहस्थान के भेद 6. भारतीय दर्शन की न्यायेतर शाखाओं में जाति एवं निग्रहस्थान विषयक चिन्तन 7. उदयनाचार्य का मूल्यांकन। उपसंहार। परिशिष्ट। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

622. रजनी

भट्टोत्पल का ज्योतिष शास्त्र में योगदान ।

निर्देशक : प्रो. रमेश चन्द्र भारद्वाज

Th 20969

विषय सूची

1. ज्योतिषशास्त्र एवं भट्टोत्पल का परिचय 2. भट्टोत्पल का सामुद्रिक शास्त्र का योगदान 3. प्रश्न शास्त्र में भट्टोत्पल का योगदान 4. शकुन शास्त्र में भट्टोत्पल का योगदान 5. वास्तु शास्त्र में भट्टोत्पल का योगदान। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

623. शकुन्तला

पुरूषोत्तमदेव के त्रिकाण्डशेष का समीक्षात्मक अध्ययन।

निर्देशिका : डॉ. शन्नो ग्रोवर

Th 20972

विषय सूची

1. संस्कृतकोश एवं पुरुषोत्तमदेव : एक परिचय 2. त्रिकाण्डशेष की शब्दसंनियोजनपद्धति 3. अर्थ वैज्ञानिक अध्ययन : त्रिकाण्डशेष के शब्दों में अर्थविस्तार 4. नवीन शब्दयोजना के कारण 5. त्रिकाण्डशेष में प्रयुक्त शब्दों के स्रोत। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

624. सन्दीप कुमार

संस्कृत व्याकरण की परम्परा में आचार्य क्रमदीश्वर का अवदान।

निर्देशक : डॉ. श्रीवत्स

Th 20963

विषय सूची

1. क्रमदीश्वर के व्याकरण सम्प्रदाय की पृष्ठभूमि 2. आचार्य क्रमदीश्वर की व्याकरण शैली 3. संधि तथा तिङन्त सम्बन्धी अवदान 4. कृदन्त एवं तद्धित सम्बन्धी अवदान 5. कारक, सुबन्त एवं समास सम्बन्धी अवदान। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

625. सिंह (संजीव कुमार)

न्यायमञ्जरी में शाब्दबोध ।

निर्देशक : डॉ. स्त्यमूर्त्ति

Th 20952

विषय सूची

1. जयन्तभट्ट का जीवन-परिचय एवं उनकी ज्ञानमीमांसा 2. शब्दा-प्रमाण का स्वरूप 3. वेदों की शब्दा-प्रमाण रूप में मीमांसा 4. पदार्थ एवं वाक्यार्थ की विचारणा 5. शाब्दबोध की प्रक्रिया 6. जयन्तभट्ट का मूल्यांकन। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

626. सुखराम

हरदत्त मिश्र का व्याकरणदर्शन को योगदान ।

निर्देशक : डॉ. ओमनाथ बिमली

Th 20957

विषय सूची

1. भाषादर्शन की भारतीय परम्परा 2. हरदत्तमिश्र का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व 3. पदवाक्यविमर्श 4. कारक-विश्लेषण 5. समासवृत्तिविचार 6. क्रियाकालविमर्श 7. लिंग विश्लेषण। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

627. सुचित्रा भारती

भोज की साहित्यशास्त्रीय कृतियों में रस-मीमांसा।

निर्देशिका : डॉ. मीरा द्विवेदी

Th 20967

विषय सूची

1. भोज का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व 2. रस का सामान्य परिचय 3. भोज-पूर्ववर्ती प्रमुख की रस-विषयक अवधारणाएँ 4. भोज-कृत सरस्वतीकण्ठाभरण में रस-तत्त्व विवेचन 5. भोज-कृत श्रृङ्गारप्रकाश में रस-तत्त्व विवेचन 6. भोज की रस-मीमांसा पर पूर्ववर्ती आचार्यों का प्रभाव 7. भोज-परवर्ती प्रमुख आचार्यों की रस-विषयक अवधारणाएँ 8. भोज की रस-मीमांसा का परवर्ती आचार्यों पर प्रभाव। उपसंहार। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।

628. सुशील कुमारी

वामन एवं भोज-प्रतिपादित गुण व दोषों का तुलनात्मक अध्ययन।

निर्देशक : डॉ. भारतेन्दु पाण्डेय

Th 20960

विषय सूची

1. काव्यशास्त्रीय परम्परा तथा वामन एवं भोज 2. दोष-विवेचन 3. शब्दगुण-विवेचन 4. अर्थगुण-विवेचन 5. भोजकृत वैशेषिक गुणादि-विवेचन। उपसंहार एवं अध्ययन का निष्कर्ष। सन्दर्भ ग्रन्थ सूची।